

27 दिसंबर, 2022
पौष, शुक्र पक्ष, चंद्री
सवत 209
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 3.00

रांची

गंगलवार, वर्ष 08, अंक 69

FLORENCE
Group of Institutions
(A Unit of : Haji Abdur Razzaque
Educational Society)
Irba, Ranchi-835219 (Jharkhand)



नामांकन जारी सत्र : 2022-2023

उषा कॉलेज ऑफ फार्मेसी

D.C ऑफिस के पार्ट, बड़ा कॉम्प्लेक्स, सरायदेला

Regd. Under : Health & Family Welfare department Govt. of Jharkhand

Recognized by : Pharmacy Council of India (PCI) Govt. of India

Affiliated by : Kohat University, Chabua, Jharkhand.

Course:
B.PHARM
(Bachelor in Pharmacy)Note : BUS &
Hostel Facility
Duration :
4 yrs.
Eligibility:
10+2 With
PCB/PCMFor more details Contact :
TATA NAGAR INSTITUTE OF PARA MEDICAL TECHNOLOGY
Shri Punjab Chowk, Main Road, Adityapur
Cont. 9334635208, 9472786354**रामगढ़ की**
विधायक ममता देवी
की सदस्यता खत्म

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। रामगढ़ की विधायक ममता देवी की सदस्यता खत्म कर दी गयी है। हजारीबाग के एक न्यायालय द्वारा गोला के एक मामले में उन्हें सजा सुनाये जाने के बाद झारखण्ड विधानसभा के प्रभारी सचिव सव्यट जावद जहर ने इस संबंध में अधिसचिवा जारी कर दी। जिसमें लिखा है कि 13 दिसंबर से कांग्रेस की विधायक ममता देवी की सदस्यता समाप्त की जारी है।

15 मामलों में कुंदन पाहन बरी, अब सिर्फ सात मामले में चल रहे केस क्या राजनीति में हाथ आजमायेगा कुंदन!

कोरोना के नये वैरिएंट को लेकर एक्शन में राज्य सरकार राज्य में रिथित पर अधिकारी रखें पैनी नजर : हेमंत सोरेन

● मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की हुई बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि कई देशों में पिछले एक सालाह से कोविड-19 के नये मामलों में बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। आने वाले दिनों में हो सकता है कि कोविड-19 का पालन करना जरूरी हो गया है। हालांकि सरकार ने बैठक के बाद कोई नयी गाइडलाइन जारी की है, लेकिन सरकारी दिखने लगी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बैठक में मास्क लगा कर आये थे। वहीं, मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ही भी मास्क लगा रखा था।



मुख्यमंत्री ने मास्क पहनना शुरू किया

देश में कोरोना के नये मामलों को देखते हुए एक बार सभी लोग सरकार हो रहे हैं। पूर्व की तरह मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग, सेलिटाइजर आदि प्रोटोकॉल का पालन करना जरूरी हो गया है। हालांकि सरकार ने बैठक के बाद कोई नयी गाइडलाइन जारी की है, लेकिन सरकारी दिखने लगी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बैठक में मास्क लगा कर आये थे।

है। उन्होंने कहा कि तैयारी इस तरह रखी कि आपातकालीन बीचिंग के बढ़ते प्रसार की आंशका के महानजर राज्य में स्वास्थ्य तैयारी को लेकर सोमवार को हुई उच्च स्तरीय अलर्ट मोड में रखें। स्थिति पर राज्य सरकार की पैनी नजर बनी रहे, यह सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री कोविड-19 के नये मामलों में हो रही वृद्धि को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं के प्रति हमें गंभीरता और मेडिकल ऑफिसीजन की पूर्वक तैयार रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के नये मामलों में हो रही वृद्धि को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं के प्रति हमें गंभीरता और मेडिकल ऑफिसीजन की पूर्वक तैयार रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के नये मामलों में हो रही वृद्धि को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं के प्रति हमें गंभीरता और मेडिकल ऑफिसीजन की पूर्वक तैयार रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के नये मामलों में हो रही वृद्धि को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं के प्रति हमें गंभीरता और मेडिकल ऑफिसीजन की पूर्वक तैयार रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के नये मामलों में हो रही वृद्धि को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं के प्रति हमें गंभीरता और मेडिकल ऑफिसीजन की पूर्वक तैयार रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के नये मामलों में हो रही वृद्धि को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं के प्रति हमें गंभीरता और मेडिकल ऑफिसीजन की पूर्वक तैयार रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के नये मामलों में हो रही वृद्धि को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं के प्रति हमें गंभीरता और मेडिकल ऑफिसीजन की पूर्वक तैयार रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के नये मामलों में हो रही वृद्धि को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं के प्रति हमें गंभीरता और मेडिकल ऑफिसीजन की पूर्वक तैयार रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के नये मामलों में हो रही वृद्धि को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं के प्रति हमें गंभीरता और मेडिकल ऑफिसीजन की पूर्वक तैयार रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के नये मामलों में हो रही वृद्धि को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं के प्रति हमें गंभीरता और मेडिकल ऑफिसीजन की पूर्वक तैयार रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के नये मामलों में हो रही वृद्धि को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं के प्रति हमें गंभीरता और मेडिकल ऑफिसीजन की पूर्वक तैयार रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के नये मामलों में हो रही वृद्धि को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं के प्रति हमें गंभीरता और मेडिकल ऑफिसीजन की पूर्वक तैयार रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के नये मामलों में हो रही वृद्धि को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं के प्रति हमें गंभीरता और मेडिकल ऑफिसीजन की पूर्वक तैयार रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के नये मामलों में हो रही वृद्धि को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं के प्रति हमें गंभीरता और मेडिकल ऑफिसीजन की पूर्वक तैयार रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के नये मामलों में हो रही वृद्धि को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं के प्रति हमें गंभीरता और मेडिकल ऑफिसीजन की पूर्वक तैयार रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के नये मामलों में हो रही वृद्धि को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं के प्रति हमें गंभीरता और मेडिकल ऑफिसीजन की पूर्वक तैयार रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के नये मामलों में हो रही वृद्धि को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं के प्रति हमें गंभीरता और मेडिकल ऑफिसीजन की पूर्वक तैयार रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के नये मामलों में हो रही वृद्धि को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं के प्रति हमें गंभीरता और मेडिकल ऑफिसीजन की पूर्वक तैयार रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के नये मामलों में हो रही वृद्धि को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं के प्रति हमें गंभीरता और मेडिकल ऑफिसीजन की पूर्वक तैयार रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के नये मामलों में हो रही वृद्धि को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं के प्रति हमें गंभीरता और मेडिकल ऑफिसीजन की पूर्वक तैयार रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के नये मामलों में हो रही वृद्धि को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं के प्रति हमें गंभीरता और मेडिकल ऑफिसीजन की पूर्वक तैयार रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के नये मामलों में हो रही वृद्धि को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं के प्रति हमें गंभीरता और मेडिकल ऑफिसीजन की पूर्वक तैयार रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के नये मामलों में हो रही वृद्धि को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं के प्रति हमें गंभीरता और मेडिकल ऑफिसीजन की पूर्वक तैयार रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के नये मामलों में हो रही वृद्धि को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं के प्रति हमें गंभीरता और मेडिकल ऑफिसीजन की पूर्वक तैयार रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के नये मामलों में हो रही वृद्धि को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं के प्रति हमें गंभीरता और मेडिकल ऑफिसीजन की पूर्वक तैयार रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के नये मामलों में हो रही वृद्धि को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं के

संपादकीय

भारत जोड़ो यात्रा से क्या मिला

रा हुए गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 108 दिनों में करीब 3000 किलोमीटर की दूरी नापते हुए शनिवार को दिल्ली पहुंची। यहाँ इस यात्रा का पहला चरण पूरा हुआ बताया गया। दूसरा चरण 3 जनवरी से शुरू होने वाला है। इन 108 दिनों में इस यात्रा ने राहुल गांधी को क्या दिया, देश और देशवासियों को क्या लेकर उनकी समझ कितनी समृद्ध हुई, वह भी एक महत्वपूर्ण सवाल है, लेकिन इसका सही जवाब आने वाले दिनों में राहुल गांधी के फैसले और उन फैसलों के असर के माध्यम से दशा द्विनिया के सामने खुलेगा। इस बीच, देश के अलग-अलग हिस्सों से गुरुतरी इस यात्रा ने देशवासियों पर, मन मिजाज पर और, कांग्रेस तथा राहुल गांधी के प्रति उनकी धारणा पर काई असर डाला है ये नहीं? अमर हां तो वह असर किस तरह का है? क्या वह ताल्कालिक है या उसके कुछ समय तक टिके रहने के भी असर हैं? ये सवाल भी कठिन और जटिल हैं लेकिन इनकी थोड़ी-बहुत पड़ताल की जा सकती है और जवाब के रूप में कुछ ऐसे अंबजेशन भी दिये जा सकते हैं, जिन पर अगे बहस की जा सके। इन क्रम में हफ्ती बात यह नोट की जा सकती है कि एक के बाद एक चुनावी हार से जूझती और परसेशन की लड़ाई में संघ-बीजी से शिक्षक खाती कांग्रेस और इसके नेता राहुल गांधी पर यह अपने लग रहे थे कि वह अपने नामी भौजूद राजनीतिक चुनियों को लेकर गंभीर नहीं हैं।

भारत जोड़ो यात्रा में शामिल नीड़ को क्या बोटों ने बदला जा सकता है। यहीं सवाल पूछत कर देता है कि इस यात्रा से उपजी और उपज इही संभावनाओं को ठोक नहीं भी तब तक करने के लिए कांग्रेस को अग्री कई स्टर्नों पर और अधिक कड़ी मेहनत करने की जरूरत है।

इस यात्रा ने राहुल गांधी की उस छवि को निसर्दहि कमज़ोर किया है। इस दौरान देश के अलग-अलग हिस्सों से गुरुतरे हुए, लोगों की बातें सुनते हुए और उन्हें संबोधित रहे हैं कि उनकी नज़र में कैसे संघ-बीजी से भारतीयां को खत्म होती है। उनकी इस धारणा के सामने खुलते हुआ जाए या नहीं, पर इतना जरूर है कि लोग अब उनकी बात को पढ़ते से ज्यादा गंभीरता से सुन रहे हैं। अगर विपक्षी स्पेस की बात करें तो राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा को चुनावी हार-जीत से अलग रखकर वह भी सुनिश्चित किया कि बीजीपी से परेशानी महसूस करती लेकिन कांग्रेस से दूर खड़ी आबादी भी उन तक पहुंचे में संकेत न करे। यह इस यात्रा के एक अतिरिक्त फायदा के तौर पर कांग्रेस के सामने मौजूद इनियों के संर्दृप्त में देखें तो इतना काफ़ी नहीं है। सबसे बड़ा सवाल है कि क्या राहुल के हिस्से में आये लोगों के इस सद्व्यवहार की बोट की शक्ति में बदला जा सकता है?

अभिमत आजाद सिपाही

साहिबजादा जोरावर सिंह और फतेह सिंह सिख धर्म के सबसे सम्मानित शहीदों में से हैं। कुगल सैनिकों ने औरंगजेब (1704) के आदेश पर आनंदपुर साहिब को घेर लिया। गुल गोविंद सिंह के दो पुत्रों को पकड़ लिया गया। मुसलमान बनने पर उन्हें न मारने

वीर बाल दिवस : बलिदान से नमन व प्रेरणा लेने का दिन



डॉ. पवन सिंह

सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह के पुत्रों का स्मरण आते ही ही हमारा सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है, और गोविंद सिंह भारत की आत्मा का प्रतिनिधित्व करने वाले उन महानायकों में से हैं जिन्होंने हमारे लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया। सिख इतिहास शहीदियों की लाजवाब मिसाल है। 26 दिसंबर को गुरु गोविंद सिंह के चार पुत्रों 'साहिबजादों' के साहस का श्रद्धांजलि देने के लिये 'वीर बाल दिवस' के रूप में चिह्नित किया गया है। वह दिन वास्तव में उनकी शहादत को नमन करने व उनके जीवन के लिए प्रेरणा लेने का दिन है।

सरसा नदी पर बिछुड़ गया परिवार : 20 दिसंबर 1704 की बो रात गुरु गोविंद सिंह जी ने अपने परिवार और 400 अन्य सिखों के साथ आनंदपुर साहिब का किला छोड़ दिया था। उस रात भयकर सर्वी थीं और बारिश हो रही थीं। सेना 25 किलोमीटर दूर सरसा नदी के किनारे पहुंची ही थी कि मुगलों ने रात के अंदर में थोखे से आक्रमण कर दिया। बरिश के कारण नदी में उफान था कई

सिख बलिदान हो गए, कुछ नदी में

बह गये। इस अफरा तफरी में परिवार बिछुड़ गया। माता गुरुजी और दो छोटे साहिबजादे, गुरु जी से अलग हो गये। दोनों बड़े साहिबजादे गुरु जी के साथ ही थे।

बड़े साहिबजादों, अंजीत सिंह और जुहार सिंह में नमन करना है। बड़े साहिबजादों, अंजीत सिंह और जुहार सिंह जी का बलिदान : उस रात गुरु जी ने एक खुले मैदान में शिवर लगाया अब उनके साथ दोनों बड़े साहिबजादे और कुछ लोगों ने बड़े साहिबजादे गुरु जी से अलग हो गये। दोनों बड़े साहिबजादों, अंजीत सिंह और जुहार सिंह जी का बलिदान : उस रात गुरु जी ने एक खुले मैदान में

शिवर लगाया अब उनके साथ दोनों बड़े साहिबजादे और कुछ लोगों ने बड़े साहिबजादे गुरु जी से अलग हो गये। अगले दिन जो युद्ध हुआ उसे इतिहास में बैटल ऑफ चम्पाकौर साहिब के नाम से जाना जाता है। गुरु गोविंद सिंह जी 40



दोनों साहिबजादों को जिंदा दीवार में दिनदाने का आदेश हुआ। दीवार चिनी जाने लगी। जब दीवार छह वर्षीय फतेह सिंह की गर्दन तक आ गयी तो आठ वर्षीय जोरावर भाई से दोनों छोटे शहीद हो गये। फतेह ने पूछा, जोरावर भाई से दोनों छोटे शहीद हो गये हैं। जोरावर बोला, दो इसलिए रहा हूं कि दुनिया में आया मैं पहले था पर कौन के लिए शहीद तू पहले हो गया। इन दोनों बालों के निमन विचारित के बाजे आगे बढ़ते हैं।

इस प्रकार गुरु गोविंद सिंह जी का पूछा परिवार शहीद हो गया था।

सिख बलिदान हो गए, कुछ नदी में बह गये। इस अफरा तफरी में परिवार बिछुड़ गया। माता गुरुजी और दो छोटे साहिबजादे, गुरु जी से अलग हो गये। दोनों बड़े साहिबजादे गुरु जी के बड़े बेटे जिनकी उम्र मात्र 14 वर्ष की हैं साहिबजादा अंजीत सिंह जो नेतृत्व में गुरुल फौजों में भारी बात हो गयी, सैकड़ों मुगलों की मौत के घाट उत्तरा लेकिन दस लाख मुगलिया फौज के सामने साहेबजादा अंजीत सिंह बलिदान हो गए। छोटे साहिबजादे जिनकी उम्र मात्र 14 वर्ष की है, बड़े भाई के बलिदान को नेतृत्व में गुरुल फौजों में भारी बात हो गयी। जब दीवार छह वर्षीय फतेह सिंह की गर्दन तक आ गयी तो आठ वर्षीय जोरावर भाई रोपा हुआ। गुरु गोविंद सिंह के दो पुत्रों को पकड़ लिया गया। मुसलमान बनने पर उन्हें न मारने की पेशकश की गई थी। वजीर खां ने फिर पूछा, बोलो इसलिए कबूल करते हो? छह साल के छोटे साहिबजादे फतेह सिंह ने नवाब से पूछा अगर मुसलमान हो गए तो फिर कभी नहीं मरेंगे न? वजीर खां अवाक रह गया उसके मुंह से जवाब मूर्टा छुड़ा दिये और लड़ते-लड़ते वीरगति को प्राप्त हुए।

दीवार में जिंदा चुने गए, पर धर्म नहीं बदला : साहिबजादा जोरावर भाई रोपा हुआ। दीवार में जिंदा चुने गए, पर धर्म नहीं बदला द्वाला : साहिबजादों को जिंदा दीवार छह वर्षीय फतेह सिंह द्वारा लिया गया। जब दीवार छह वर्षीय फतेह सिंह के बाजे आगे बढ़ते हैं। जब दीवार छह वर्षीय फतेह सिंह की गर्दन तक आ गयी तो आठ वर्षीय जोरावर भाई रोपा हुआ। जो सामावेशी और सामंजस्यपूर्ण हो। यह समय की मांग है कि अधिक से अधिक लोग उनके बारे में जानें। अब ये, वीर बाल दिवस पर गुरु पुत्रों के प्रेरणा के बाजे आगे बढ़ते हैं।

जोरावर बोला, दो इसलिए रहा हूं कि दुनिया में आया मैं पहले था पर कौन के लिए शहीद तू पहले हो रहा है। इन दोनों बालों के महान सिद्धांतों से विचलित होने के बजाय मृत्यु को प्राप्तिकरता दी।

ग्रामीकाता दी। इस प्रकार गुरु गोविंद सिंह जी का पूरा परिवार शहीद हो गया था। उसी रात माता गुरुजी ने भी ठंडे बुर्ज में प्राण त्याग दिया। दिसंबर मास के इस अंतम सप्ताह को भारत के इतिहास में 'शहीदी सप्ताह' के रूप में माना जाता है।

प्रेरणा व सद्देश का दिन : दिसंबर के इस अंतम सप्ताह में श्रद्धालुओं द्वारा जमीन पर सोने की पंपंपा है। क्योंकि माता गुरुजी ने 25 दिसंबर की बो रात दोनों छोटे साहिबजादों के साथ बजार खांडी बुर्ज में गुरुजी और 26 दिसंबर को दोनों बच्चे शहीद हो गये थे। 27 तारीख दिये थे। जानकारी कैलेंडर के अनुसार श्रद्धालु 20 से 27 दिसंबर तक शहीदी सप्ताह भी मानते हैं। इस अवसर पर गुरुद्वारों व घरों में कीर्तन और पाठ करते हैं। साथ ही बच्चों को गुरु साहिब के परिवार की जाहीरी की जाती है। जानकारी कैलेंडर के अनुसार श्रद्धालु 20 से 27 दिसंबर तक शहीदी सप्ताह के बाजे आगे बढ़ते हैं।

जानकारी कैलेंडर के अनुसार श्रद्धालु 20 से 27 दिसंबर तक शहीदी सप्ताह के बाजे आगे बढ़ते हैं।

आज का दिन साहिबजादों के साहस के प्रति उनके संकल्प के प्रति एक सच्ची श्रद्धांजलि है। माता गुरुजी, गुरु गोविंद सिंह जी एवं चारों साहिबजादों की जीताता तथा आदर्श लोगों को साहस व शक्ति प्रदान करते हैं। वे अपने धर्म में ही अपने धर्म की खातिर क्यों न मैं। दोनों साहिबजादों को जिंदा दीवार में जिन्होंने अंजीत सिंह के बाजे आगे बढ़ते

रांची-आसपास

जुलाई और दिसंबर महीने का खाद्यान नहीं मिलने से राशन डीलरों ने किया प्रखंड मुख्यालय का घेराव



मांडर (आजाद सिपाही)। प्रखंड के जन वितरण प्रणाली के लगभग सभी दुकानदार सोमवार को प्रखंड मुख्यालय का घेराव किया। घेराव के बाद बीड़ीओं के एक ज्ञापन सौंपा। जन वितरण दुकानदार प्रणाली के संघ के अध्यक्ष अभियान अधीन नहीं दिया गया है। इस बार जुलाई और दिसंबर महीने का खाद्यान अधीन तक नहीं दिया गया है। डीलरों का कहना था कि यदि सात दिनों के अंदर बकाए खाद्यान की आपूर्ति उन्हें नहीं की जाती है, तो वह प्रखंड कार्यालय में तालाबंदी कर काम रोको अंदोलन करें। इसकी सारी जावाबदेही विभागीय अधिकारियों की होगी। मौके पर प्रखंड के विभिन्न गांवों के राशन डीलर उपस्थित थे।

सिकिदिरी पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ छापामारी कर भारी मात्रा में महुआ शराब नष्ट किया



सिकिदिरी (आजाद सिपाही)। थाना प्रभागी सत्य प्रकाश रवि व एस आई अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में सोमवार को कुच्चु पंचायत के कई गांवों में अवैध शराब छापामारी अभियान चलाया गया। छापामारी के दौरान थाना प्रभागी मात्रा में अवैध शराब बनाने वाले थाना प्रभागी सत्य प्रकाश रवि व एस आई अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में अवैध शराब के विभिन्न गांवों में लगातार अवैध शराब के खिलाफ छापामारी अभियान चलाया गया।

महुआ का जावा को सिकिदिरी पुलिस ने नष्ट किया। सिकिदिरी थाना प्रभागी सत्य प्रकाश रवि व एस आई अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में अवैध शराब बनाने वाले थाना प्रभागी सत्य प्रकाश रवि व एस आई अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में अवैध शराब के विभिन्न गांवों में लगातार अवैध शराब के खिलाफ छापामारी अभियान चलाया गया।

अमर शहीद जीतराम बेदिया की जयंती धूमधाम से मनाने का लिया गया निर्णय

अनगढ़ा (आजाद सिपाही)। प्रखंड के बीसा पंचायत में शहीद जीतराम बेदिया की जयंती आगामी 30 दिसंबर को भव्य तरीके से मनायी जाएगी। तैयारियों की जानकारी देते हुए अमर शहीद जीतराम बेदिया स्मारक समिति के अध्यक्ष जिवधन बेदिया ने बताया कि इस अवसर पर रंगारेंग सांकृतिक कार्यक्रम के साथ संचालन कांड का सस्वर पाठ कराया। इसके पश्चात महाराजा की गयी।

मौके हिन्दूवादी नेता सह समाजसेवी भैरव सिंह ने कहा कि आरक्षं भारत के सरकार के गांव के लोगों की चिंता नहीं है। अज एक

कार्यक्रम: धरनास्थल पर आंदोलनकारियों ने भजन कीर्तन, महाआरती और भंडारा का किया आयोजन

मांगे पूरी नहीं हुई तो हजारों की संख्या में ग्रामीण करेंगे आमरण अनशन : भैरव सिंह

पिछले 35 दिनों से नवासराय के मुड़मा गांव के मंदिर और तालाब के मार्ग को बचाने के लिए ग्रामीण दे रहे हैं। डीलरों का कहना था कि यदि सात दिनों के अंदर बकाए खाद्यान की आपूर्ति उन्हें नहीं की जाती है, तो वह प्रखंड कार्यालय में तालाबंदी कर काम रोको अंदोलन करें। इसकी सारी जावाबदेही विभागीय अधिकारियों की होगी। मौके पर प्रखंड के विभिन्न गांवों के राशन डीलर उपस्थित थे।

आजाद सिपाही संवाददाता

पिस्कानगढ़ी। पिछले 35 दिनों से नवासराय के मुड़मा गांव के देवी मंडप रोड में स्थित बूद्ध महादेव, देवी बने तालाब के मार्ग को बचाने के लिए दर्जनों ग्रामीण अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। इस सिलसिले अंदोलन को आगे बढ़ाते हुए सोमवार को बूद्ध महादेव स्थल में आंदोलनकारियों की अगुवाई में भजन कीर्तन उस पर तुरंग बायावाही करती। यह सकार हिंदूवादी के साथ सोनेला व्यवहार करते पर उतार है। ऐसा नहीं चलेगा। हक और अधिकार अब ग्रामीण अपनी जन देक लेंगे, जिसकी जिम्मेवारी झारखंड सरकार पर होगी। अगर अईआईएम और गेल कंपनी मूल निवासियों को उनकी आस्था को केंद्र के लिए मार्ग नहीं देंगी तो हजारों की संख्या में अंदोलनकारी



महिला से लोग अपनी जमीन को बचाने के लिए लगातार आंदोलन कर रहे हैं, पर आज तक किसी ने उन्हें आंदोलन की ओर ध्यान नहीं दिया। तुटीकरण की नीति पर चल रही झारखंड सरकार मुड़मा के हजारों निवासियों की मांग पर ध्यान नहीं दे रही है। अमर यही मांग अल्पसंख्यक समुदाय के लोग करते तो सकार उस पर तुरंग बायावाही करती। यह सकार हिंदूवादी के साथ सोनेला व्यवहार करते पर उतार है। ऐसा नहीं चलेगा। हक और अधिकार अब ग्रामीण अपनी जन देक लेंगे, जिसकी जिम्मेवारी झारखंड सरकार पर होगी। अगर अईआईएम और गेल कंपनी मूल निवासियों को उनकी आस्था को केंद्र के लिए मार्ग नहीं देंगी तो हजारों की संख्या में अंदोलनकारी

महिला से लोग अपनी जमीन को बचाने के लिए लगातार आंदोलन कर रहे हैं, पर आज तक किसी ने उन्हें आंदोलन की ओर ध्यान नहीं दिया। तुटीकरण की नीति पर चल रही झारखंड सरकार मुड़मा के हजारों निवासियों की मांग पर ध्यान नहीं दे रही है। अमर यही मांग अल्पसंख्यक समुदाय के लोग करते तो सकार उस पर तुरंग बायावाही करती। यह सकार हिंदूवादी के साथ सोनेला व्यवहार करते पर उतार है। ऐसा नहीं चलेगा। हक और अधिकार अब ग्रामीण अपनी जन देक लेंगे, जिसकी जिम्मेवारी झारखंड सरकार पर होगी। अगर अईआईएम और गेल कंपनी मूल निवासियों को उनकी आस्था को केंद्र के लिए मार्ग नहीं देंगी तो हजारों की संख्या में अंदोलनकारी

मौके पर संसद प्रतिनिधि केवार महतो, ऐमसागर महतो, मुख्यालय महतो, एसपीएम महतो, लोकवासी शंभु नाथ देवी, लक्ष्मी मिर्धा, हरी नाथ महतो, कर्मा उरांग, बिजू महतो, शिव शंकर बैठा, मुर्युजय बर्मन, पुष्प देवी, सोमपी मुड़ाइन, प्रभा देवी, कलावती देवी, लीलावती देवी, राधा देवी, रुपन देवी, अमरदीप महतो, पंचम कुमी, ज्योति देवी, सीता देवी, गीता देवी, राजू राजवार, मनोज महतो, धीरज महतो, सुधु मुंडा, देवनाथ महतो, लखन महतो, राम विजय महतो, सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

इधर आंदोलन में बैठे दर्जनों मुड़मा निवासियों ने कहा कि नगाड़ी प्रखंड के सभी गांव के भजन कीर्तन नंदी और सनातन धर्म के लोग सनातनी धर्म मार्ग को बचाने के लिए एकुण होकर हमारा समर्थन करें।

इधर ग्रामीणों का कहना है कि जब तक हमारी मार्ग नहीं मानी जाएंगी तब तक हमारा अनशन को विवाह होगे। जल्द ही ग्रामीण धरना स्थल पर आमरण अनशन की घोषणा करेंगे।

इधर आंदोलन में बैठे दर्जनों मुड़मा निवासियों ने कहा कि नगाड़ी प्रखंड के सभी गांव के भजन कीर्तन नंदी और सनातन धर्म के लोग सनातनी धर्म मार्ग को बचाने के लिए एकुण होकर हमारा समर्थन करें।

इधर ग्रामीणों का कहना है कि जब तक हमारी मार्ग नहीं मानी जाएंगी तब तक हमारा अनशन को विवाह होगे। जल्द ही ग्रामीण धरना स्थल पर आमरण अनशन की घोषणा करेंगे।

मौके पर संसद प्रतिनिधि केवार महतो, ऐमसागर महतो, मुख्यालय महतो, एसपीएम महतो, लोकवासी शंभु नाथ देवी, लक्ष्मी मिर्धा, हरी नाथ महतो, कर्मा उरांग, बिजू महतो, शिव शंकर बैठा, मुर्युजय बर्मन, पुष्प देवी, सोमपी मुड़ाइन, प्रभा देवी, कलावती देवी, लीलावती देवी, राधा देवी, रुपन देवी, अमरदीप महतो, पंचम कुमी, ज्योति देवी, राजू राजवार, मनोज महतो, धीरज महतो, सुधु मुंडा, देवनाथ महतो, लखन महतो, राम विजय महतो, सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

जिसमें देली मार्केट निवासी वैष्णव शर्मा, मुस्कन शर्मा व नेहा शर्मा बैठे हुए थे। जिसमें देली मार्केट निवासी वैष्णव शर्मा, मुस्कन शर्मा व नेहा शर्मा बैठे हुए थे। जिसकारी के अनुसार तीन लोग सवार थे।

जिसकारी के अनुसार तीन लोग सवार थे। जिसकारी के अनुसार तीन लोग सवार थे।

जिसकारी के अनुसार तीन लोग सवार थे। जिसकारी के अनुसार तीन लोग सवार थे।

जिसकारी के अनुसार तीन लोग सवार थे। जिसकारी के अनुसार तीन लोग सवार थे।

जिसकारी के अनुसार तीन लोग सवार थे। जिसकारी के अनुसार तीन लोग सवार थे।

जिसकारी के अनुसार तीन लोग सवार थे। जिसकारी के अनुसार तीन लोग सवार थे।

जिसकारी के अनुसार तीन लोग सवार थे। जिसकारी के अनुसार तीन लोग सवार थे।

जिसकारी के अनुसार तीन लोग सवार थे। जिसकारी के अनुसार तीन लोग सवार थे।

जिसकारी के अनुसार तीन लोग सवार थे। जिसकारी के अनुसार तीन लोग सवार थे।

जिसकारी के अनुसार तीन लोग सवार थे। जिसकारी के अनुसार तीन लोग सवार थे।

जिसकारी के अनुसार तीन लोग सवार थे। जिसकारी के अनुसार तीन लोग सवार थे।

जिसकारी के अनुसार तीन लोग सवार थे। जिसकारी के अनुसार तीन लोग सवार थे।

जिसकारी के अनुसार तीन लोग सवार थे। जिसकारी के अनुसार तीन लोग सवार थे।

जिसकारी के अनुसार तीन



देश में कोरोना का खतरा

स्थानमार और बैंकॉक से 8 लोग कोरोना लाये साथ



एजेंसी

नवी दिल्ली। भारत में आये 8 विदेशी कोरोना संक्रमित पाये गये हैं। बिहार के गया एयरपोर्ट पर बैंकॉक के 3 और स्थानमार के एक शख्त की कोरोना रिपोर्ट पांजिटिव आयी है। वहाँ दिल्ली एयरपोर्ट पर आयी कोरोना संक्रमित पांजिटिव आयी है।

एक्सपर्ट का दावा- बीएफ 7 वैरिएंट का असर भारत में ज्यादा नहीं

कोरोना पर केंद्र सरकार की सख्ती के बीच भारतीय एक्सपर्ट

दलाई लामा के धर्मिक कार्यक्रम में शामिल होने आये 4 विदेशी नागरिक कोविड पांजिटिव पाये गये हैं। इससे धार्मिक ख्याल पर बैंकॉक के 3 और स्थानमार के एक शख्त की कोरोना रिपोर्ट पांजिटिव आयी है। वहाँ दिल्ली एयरपोर्ट पर आयी कोरोना संक्रमित पांजिटिव आयी है।

आगरा में चीन से लौटा कारोबारी कोरोना पॉजिटिव

यूपी के आगरा में चीन से लौटा एक व्यक्ति कारोबारी पांजिटिव पाया गया है। सैंपल को जीनोम सीकरिंग से जीवंत के लिए भेजा गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम कारोबारी के घर पहुंच गई है। उसके संपर्क में आवे वाले लोगों को भी ट्रैक किया जा रहा है। आगरा के शहंगंज क्षेत्र का स्थाने वाला युवक पेश से से करोबारी है। सीमितों ने बताया कि कारोबारी 23 दिसंबर को बीन से लौटा है। उधर, कानपुर में भी एक युवक कारोबारी पॉजिटिव मिला है। एक दिन पहले मेरठ में पांच साल के बच्चे की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आयी थी। तीन दिन पहले जुनरात के भावनगर में एक कारोबारी भी संक्रमित भिला था।

विदेशी से आने वालों का आरटी-पीसीआर टेस्ट जरूरी

देश में कोरोना के खतरे को देखते हुए केंद्र सरकार अलर्ट हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडिया ने कहा कि चीन, जापान सहित 5 देशों से आने वाले यात्रियों के लिए आरटी-पीसीआर टेस्ट जरूरी होगा। यदि इन देशों के विदेशी भी यात्री में कोरिंव-19 के लक्षण पाये जाते हैं या टेस्ट पॉजिटिव पाया जाता है तो इन लोगों को कारोबारी किया जायेगा।

ने राहत भरी खबर दी है। सेंटर के नये वैरिएंट से बचने की फॉर्म सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर वायोलॉजी के डायरेक्टर विनय के, नंदीकोरी ने कहा कि बीएफ 7 वैरिएंट का असर भारत में ज्यादा नहीं होगा। एक्सपर्ट के मुताबिक ज्यादातर भारतीयों के पास अब डायरिड इम्यूनिटी है। उन्होंने वैस्मीरोन के जरिये इम्यूनिटी को लाइन कर ली है। हालांकि उन्होंने मास्क लगाने समेत कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने पर भी जोर दिया। सीसीएम्बी के डायरेक्टर ने कहा कि इम्यूनिटी होने पर सभी तरह सुरक्षित हैं।

की आवश्यकता और महत्व पर जोर दिया और अधिकारियों को विभिन्न परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने की सलाह दी। प्राथमिक रूप से स्कूलेंटिंग एरिया, कॉन्कर्स, प्लेटफॉर्म लाइटिंग, वेटिंग रूम, शीचालय आदि के विकास पर जोर दिया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान, सुनकर ने समानित यात्रियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं का लिए बहुत जरूरी है। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को रेल उपयोगकारी और अधिकारियों के लिए राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ समन्वय करने की भी सलाह दी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ओडिशा में चल रहे विभिन्न परियोजनाओं का विकास के साथ-साथ क्षेत्र में रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता दे रहे हैं और विकास कार्यों की नियमित नियरानी भी कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक सुनकर के साथ पूरे के प्रधान मुख्य अधिविता एनएस. उड़िके, मुख्य अधिविता (निमांग) अधिकारी उपस्थित है।

पूर्व तट रेलवे महाप्रबंधक ने किया भुवनेश्वर न्यू रेलवे स्टेशन का निरीक्षण

भुवनेश्वर (एजेंसी)। पूर्व तट रेलवे के महाप्रबंधक श्री रूप नारायण सुनकर ने आज भुवनेश्वर न्यू रेलवे स्टेशन में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान, सुनकर ने समानित यात्रियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं का लिए बहुत जरूरी है।

को विभिन्न कार्यक्रमों के लिए बहुत जरूरी है। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को रेल उपयोगकारी और अधिकारियों के लिए राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ समन्वय करने की भी सलाह दी। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक सुनकर के साथ पूरे के प्रधान मुख्य अधिविता एनएस. उड़िके, मुख्य अधिविता (निमांग) अधिकारी उपस्थित है।

की आवश्यकता और महत्व पर जोर दिया और अधिकारियों को विभिन्न परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने की सलाह दी। प्राथमिक रूप से स्कूलेंटिंग एरिया, कॉन्कर्स, प्लेटफॉर्म लाइटिंग, वेटिंग रूम, शीचालय आदि के विकास पर जोर दिया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान, सुनकर ने समानित यात्रियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं का लिए बहुत जरूरी है। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को रेल उपयोगकारी और अधिकारियों के लिए राज्य कार्यक्रमों के लिए जीवंत के लिए भेजा गया है। उसके संपर्क में आवे वाले लोगों को भी ट्रैक किया जा रहा है। उसके संपर्क में आवे वाले लोगों को भी ट्रैक किया जा रहा है।

को विभिन्न कार्यक्रमों के लिए बहुत जरूरी है। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को रेल उपयोगकारी और अधिकारियों के लिए राज्य कार्यक्रमों के लिए जीवंत के लिए भेजा गया है। उसके संपर्क में आवे वाले लोगों को भी ट्रैक किया जा रहा है।

को विभिन्न कार्यक्रमों के लिए बहुत जरूरी है। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को रेल उपयोगकारी और अधिकारियों के लिए राज्य कार्यक्रमों के लिए जीवंत के लिए भेजा गया है। उसके संपर्क में आवे वाले लोगों को भी ट्रैक किया जा रहा है।

को विभिन्न कार्यक्रमों के लिए बहुत जरूरी है। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को रेल उपयोगकारी और अधिकारियों के लिए राज्य कार्यक्रमों के लिए जीवंत के लिए भेजा गया है। उसके संपर्क में आवे वाले लोगों को भी ट्रैक किया जा रहा है।

को विभिन्न कार्यक्रमों के लिए बहुत जरूरी है। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को रेल उपयोगकारी और अधिकारियों के लिए राज्य कार्यक्रमों के लिए जीवंत के लिए भेजा गया है। उसके संपर्क में आवे वाले लोगों को भी ट्रैक किया जा रहा है।

को विभिन्न कार्यक्रमों के लिए बहुत जरूरी है। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को रेल उपयोगकारी और अधिकारियों के लिए राज्य कार्यक्रमों के लिए जीवंत के लिए भेजा गया है। उसके संपर्क में आवे वाले लोगों को भी ट्रैक किया जा रहा है।

को विभिन्न कार्यक्रमों के लिए बहुत जरूरी है। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को रेल उपयोगकारी और अधिकारियों के लिए राज्य कार्यक्रमों के लिए जीवंत के लिए भेजा गया है। उसके संपर्क में आवे वाले लोगों को भी ट्रैक किया जा रहा है।

को विभिन्न कार्यक्रमों के लिए बहुत जरूरी है। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को रेल उपयोगकारी और अधिकारियों के लिए राज्य कार्यक्रमों के लिए जीवंत के लिए भेजा गया है। उसके संपर्क में आवे वाले लोगों को भी ट्रैक किया जा रहा है।

को विभिन्न कार्यक्रमों के लिए बहुत जरूरी है। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को रेल उपयोगकारी और अधिकारियों के लिए राज्य कार्यक्रमों के लिए जीवंत के लिए भेजा गया है। उसके संपर्क में आवे वाले लोगों को भी ट्रैक किया जा रहा है।

को विभिन्न कार्यक्रमों के लिए बहुत जरूरी है। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को रेल उपयोगकारी और अधिकारियों के लिए राज्य कार्यक्रमों के लिए जीवंत के लिए भेजा गया है। उसके संपर्क में आवे वाले लोगों को भी ट्रैक किया जा रहा है।

को विभिन्न कार्यक्रमों के लिए बहुत जरूरी है। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को रेल उपयोगकारी और अधिकारियों के लिए राज्य कार्यक्रमों के लिए जीवंत के लिए भेजा गया है। उसके संपर्क में आवे वाले लोगों को भी ट्रैक किया जा रहा है।

को विभिन्न कार्यक्रमों के लिए बहुत जरूरी है। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को रेल उपयोगकारी और अधिकारियों के लिए राज्य कार्यक्रमों के लिए जीवंत के लिए भेजा गया है। उसके संपर्क में आवे वाले लोगों को भी ट्रैक किया जा रहा है।

को विभिन्न कार्यक्रमों के लिए बहुत जरूरी है। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को रेल उपयोगकारी और अधिकारियों के लिए राज्य कार्यक्रमों के लिए जीवंत के लिए भेजा गया है। उसके संपर्क में आवे वाले लोगों को भी ट्रैक किया जा रहा है।

को विभिन्न कार्यक्रमों के लिए बहुत जरूरी है। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को रेल उपयोगकारी और अधिकारियों के लिए राज्य कार्यक्रमों के लिए जीवंत के लिए भेजा गया है। उसके संपर्क में आवे वाले लोगों को भी ट्रैक किया जा रहा है।

को विभिन्न कार्यक्रमों के लिए बहुत जरूरी है। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को रेल उपयोगकारी और अधिकारिय